No. of Printed Pages : 6 **MBG–001**

M. A. (BHAGAVADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

December, 2025

MBG-001 : BHAGAVADGITA : INTRODUCTION TO THE SUBJECT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory. Attempt questions from both Sections as directed.*

Section—A

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* *4×15=60*

1. Describe the cultural background of the Bhagavadgītā.

2. Describe the various methods of Gītā Studies.
3. Describe 'Divyavaktā' and 'Mānavaśrotā' on the basis of the Gītā.
4. Explain how the Mahābhārata is a storehouse of knowledge.
5. Write in detail about the meaning of Dharmakṣetra and Kurūkṣetra.
6. Describe the Warrior-Generals of the Kaurava armies.
7. Explain the ethical basis of war.

Section—B

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* *4×10=40*

1. Write a short introduction of the Bhagavadgītā.
2. Write a summary of the second chapter of the Gītā.
3. Describe in brief the importance of Karma.

4. Write in short about the various views regarding the dating of the Gītā.
5. Mention the social expectations from the Gītā.
6. Write a note on the nature of Ātmā.
7. Explain the following :

   येषामर्थे कांक्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च।

   त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च॥

MBG–001

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.बी.जी.-001 : भगवद्गीता : परिचय एवं विषय प्रवेश

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

4×15=60

1. भगवद्गीता की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

2. गीता अध्ययन की विभिन्न विधियों का निरूपण कीजिए।

3. गीता के आधार पर 'दिव्यवक्ता' एवं 'मानवश्रोता' का वर्णन कीजिए।

4. सिद्ध कीजिए कि महाभारत ज्ञान का भण्डार कैसे है।

5. धर्मक्षेत्र और कुरुक्षेत्र के बारे में विस्तार से लिखिए।

6. कौरव पक्ष के महारथियों का वर्णन कीजिए।

7. युद्ध के नैतिक आधार का निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

4×10=40

1. भगवद्गीता का संक्षेप में परिचय लिखिए।

2. गीता के द्वितीय अध्याय का सारांश लिखिए।

3. कर्म की प्रधानता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. गीता के काल-निर्धारण सम्बन्धी विभिन्न मतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. गीता से सामाजिक अपेक्षाओं का उल्लेख कीजिए।

6. आत्मा के स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

येषामर्थे कांक्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च।

त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च॥

× × × × ×